नाव भी तू मेरी | By Mukesh Bagda

नाव भी तू मेरी .....
नाव भी तू मेरी, तू ही मेरी पतवार भी है
तू ही माझी है मेरा और तू ही मझधार भी है
नाव भी तू मेरी .....

क्यूँ फिकर हो मुझे मेरी तू फिकर करता है
मेरी चिंता मेरी सारी बलाएं हरता है
तू ही रक्षक है मेरा.....
तू ही रक्षक है मेरा तू ही पालनहार भी है
तू ही माझी है मेरा और तू ही मझधार भी है
नाव भी तू मेरी .....

मुझे रिश्ते सभी तुझमे ही नज़र आते हैं
तुझी में माँ पिता बंधू सखा मिल जाते हैं
साथ तू ही जगत में .....
साथ तू ही जगत में और जग के पार भी है
तू ही माझी है मेरा और तू ही मझधार भी है
नाव भी तू मेरी .....

क्यूँ भला मैं डरूँ आती है मौत आ जाए
छूट कर प्राण मेरे ये तुझ ही में म्मिल जाए
तू ही सृष्टि का है.....
तू ही सृष्टि का है सिरजन तू ही संहार भी है
तू ही माझी है मेरा और तू ही मझधार भी है
नाव भी तू मेरी .....

मुझे मालूम है कण कण में तू समाया है
जीव निर्जीव सभी में तेरी ही छाया है
तू ही जीवन है .....
तू ही जीवन है तू ही ज़िन्दगी का सार भी है
तू ही माझी है मेरा और तू ही मझधार भी है
नाव भी तू मेरी .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%b5-%e0%a4%ad%e0%a5%80-%e0%a4%a4%e0%a5%82-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-mukesh-bagda/